



पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष
विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, नया रायपुर

दूरभाष / फ़ैक्स: 0771-2513751

(छठगठ अधिनियम क्र० 21/2008 द्वारा स्थापित)

ई-मेल: hcalthuniversitycg@yahoo.com

वेबसाइट-www.cghealthuniv.com

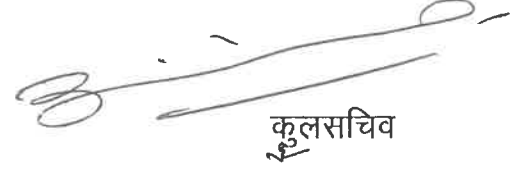
क्रमांक / F- 93 / 4185 / डी.यू.एच.एस. / अका / 2023

रायपुर, दिनांक 17 / 10 / 2023

अधिसूचना

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, भारत सरकार नई दिल्ली के पत्र क्रमांक / Ref.No. BOA/Regulation/UG/10(3)/2022 दिनांक 27.07.2022 के परिपालन में विश्वविद्यालय के अधिसूचना क्रमांक / Q-1 / डी.यू.एच.एस. / 2022 रायपुर दिनांक 01.08.2022 के स्थिति बी में 02 मूल्यांकनकर्ताओं के बीच 20% प्राप्ताकों से अधिक अंतर होने पर तृतीय मूल्यांकन का प्रावधान है। इसी प्रकार पुनर्मूल्यांकन एवं पैनल मूल्यांकन में भी 02 मूल्यांकनकर्ताओं के बीच 20% प्राप्ताकों से अधिक अंतर होने पर तृतीय मूल्यांकन का प्रावधान है।

विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड द्वारा गठित कार्यसमिति की 86वीं बैठक दिनांक 04.10.2023 के कार्यवृत्त क्र. 7 में हुए अनुमोदन के आधार पर उपरोक्तानुसार उत्तरपुस्तिकाओं का तृतीय मूल्यांकन कराने के पश्चात परीक्षा परिणाम घोषित करने में होने वाले विलंब को दृष्टिगत रखते हुए उक्त स्थिति में तृतीय मूल्यांकन न कराते हुये दोनो मूल्यांकन से प्राप्त अधिकतम प्राप्तांक को अंकित करते हुये परीक्षा परिणाम घोषित किया जावेगा।

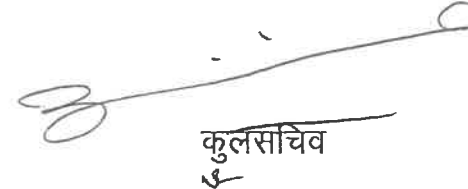

कुलसचिव

क्रमांक / F-93 / 4186-90 / डी.यू.एच.एस. / अका / 2023

रायपुर दिनांक 17 / 10 / 2023

प्रतिलिपि:-

1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के अवर सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर की ओर सूचनार्थ ।
2. अधिष्ठाता/प्राचार्य पं. दी. द. उपा. स्मृति स्वा. विज्ञान एवं आयुष वि. वि. छत्तीसगढ़. रायपुर से संबद्ध समस्त आयुर्वेद महाविद्यालय को सूचनार्थ अग्रेषित ।
3. कुलपति के सचिव/ कुलसचिव के निज सहायक, पं. दी. द. उपा. स्मृति स्वा. विज्ञान एवं आयुष वि. वि. छत्तीसगढ़. रायपुर को सूचनार्थ ।
4. प्रभारी, गोपनीय/आई टी/परीक्षा विभाग, पं. दी. द. उपा. स्मृति स्वा. विज्ञान एवं आयुष वि. वि. छत्तीसगढ़. रायपुर ।
5. प्रभारी आई. टी. विभाग, पं. दी. द. उपा. स्मृति स्वा. विज्ञान एवं आयुष वि. वि. छत्तीसगढ़. रायपुर को विश्वविद्यालय के वेबसाइट में आपलोड करने हेतु ।


कुलसचिव



क्रमांक/२-१/डी.यू.एच.एस./2022/

रायपुर, दिनांक: 01/08/2022

// अधिसूचना //

भारतीय चिकित्सा पद्धती राष्ट्रीय आयोग के आदेश क्रमांक/Ref.No.BOA/Regulation/UG/10(3)/2022 दिनांक 27/7/2022 के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा B.A.M.S. and B.U.M.S. पाठ्यक्रम के परीक्षा के मूल्यांकन में निम्नानुसार मूल्यांकन प्रणाली लागू किया जाता है-

1. दोहरा मूल्यांकन:-

एक उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन दो स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाएगा

स्थिति ए

दोहरे मूल्यांकन के बाद, दोनों अंकों के बीच भिन्नता के मामले में कुल अंकों का 19% तक है, तो दोनों अंकों के औसत को अंतिम स्कोर माना जाएगा। भिन्नात्मक अंकों के मामले में यदि भिन्न 0.5 या उससे अधिक है तो इसे अगले उच्चतम अंक में पूर्णांकित किया जाता है और यदि भिन्न 0.5 से कम है तो इसे निम्न अंकों के मान में पूर्णांकित किया जाता है।

स्थिति बी

दोहरे मूल्यांकन के अंत में, यदि दो स्वतंत्र अंकों के बीच का अंतर अधिकतम अंकों से 20% और अधिक है, तो ऐसी लिपियों को तीसरे मूल्यांकन के लिए माना जाना चाहिए।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि दो में से कम से कम एक अंक अधिकतम अंकों का 35% होना चाहिए।

2. तीसरा मूल्यांकन:

एक तीसरा स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता/निर्धारक ऐसी लिपियों (स्थिति बी) का मूल्यांकन करता है और स्कोर प्रदान करता है।

3. तीसरे मूल्यांकन के बाद:

सभी तीन मूल्यांकनों के बीच दो अंकों के उच्च के औसत को अंतिम स्कोर माना जाता है। भिन्नात्मक अंकों के मामले में यदि भिन्न 0.5 या उससे अधिक है तो इसे अगले उच्चतम अंक में पूर्णांकित किया जाता है और यदि भिन्न 0.5 से कम है तो इसे निम्न अंकों के मान में पूर्णांकित किया जाता है।

(उत्तर-पुस्तिकाओं पर किसी भी मूल्यांकनकर्ता द्वारा कोई अंकन नहीं किया जाएगा।)

4. यह मूल्यांकन प्रणाली जुलाई-अगस्त में आयोजित B.A.M.S. की मुख्य एवं पूरक परीक्षा में भी लागू होगी।

5. उपरोक्त पाठ्यक्रम में पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था को समाप्त किया जाता है।


परीक्षा नियंत्रक

**NATIONAL COMMISSION FOR INDIAN SYSTEM OF MEDICINE
NEW DELHI**

**Guidelines for the Double Valuation system in Under-Graduate examinations of
BAMS/BUMS/BSMS/BSRMS**

To avoid manual errors in the valuation process of descriptive answers, NCISM notified (in respective regulations as mentioned below) "**There shall be double valuation system and shall be no provision for revaluation**" under clause:-

- ↳ **MSE Ayurveda:** Clause 12 c (ii) of National Commission for Indian System of Medicine (Minimum Standards of Undergraduate Ayurveda Education) Regulations-2022.
- ↳ **MSE Unani:** : Clause 11 b (ii) of National Commission for Indian System of Medicine (Minimum Standards of Undergraduate Unani Education) Regulations-2022.
- ↳ **MSE Siddha:** Clause 11 b (ii) of National Commission for Indian System of Medicine (Minimum Standards of Undergraduate Siddha Education) Regulations-2022.

To implement Double Valuation system uniformly across Universities that are conducting ASUS Courses, NCISM hereby prescribes the guideline:

In the evaluation of Descriptive answers, there is a possibility of variation in the marks obtained by the students. A situation may arise where in, a candidate may be badly affected by the quality/precision of evaluation. In that case, the only option before the candidate in conventional set up is applying for revaluation. *Double valuation policy is remedy for such an unpleasant situation. Two valuations are provided suo moto and average of the two scores is taken as the final marks.*

What is Double Valuation: Double valuation is affording two valuations for an Answer Book by two different eligible evaluators, so that any lopsided nature in single valuation and consequent unpleasant situation is mitigated.

Principle: In the evaluation of Question-Answers of Descriptive examinations there is a possibility of variation of marks in each valuation. Double valuation offers a solution to such a situation.

What is Third Valuation: Third valuation is a natural corollary of double valuation. There may be a possibility of a situation when the marks in two independent valuations vary in some abnormal proportions. Third valuation is a remedy for this situation.

The acceptable limit of variation of marks between two evaluators is up to 19% of the maximum marks.

If the difference in marks between the two evaluations is 20% or above a third valuation by another independent qualified evaluator is to be done.

Rounding off of Marks: On taking average of the evaluations if the marks have fraction, it has to be rounded off to digits. The following policy is adopted for rounding off of marks. If the fraction is 0.5 or above it is rounded off to the next highest digit and if the fraction is below 0.5 it is rounded off to the lower digit value.

STEPS FOR DOUBLE AND THIRD VALUATION

1. Double Valuation:

An answer script will be evaluated by two independent evaluators

Situation A

- ↳ After double valuation, in case of variation between both the scores are up to 19% of the total marks, then average of both the scores will be considered as the final score.
- ↳ In case of fractional scores if the fraction is 0.5 or above it is rounded off to the next highest digit and if the fraction is below 0.5 it is rounded off to the lower digit value.

Situation B

- ↳ At the end of double valuation, if the variation between two independent scores is 20% and above of the Maximum marks, then such scripts should be considered for Third Valuation.

It is to be noted that at least one of the scores among two should be 35% of the maximum marks.

2. Third Valuation:

A third independent evaluator/assessor evaluates such scripts (situation B) and assigns the score.

3. After third valuation:

Average of the higher of two scores among all three valuations is considered as the final score.

In case of fractional scores if the fraction is 0.5 or above it is rounded off to the next highest digit and if the fraction is below 0.5 it is rounded off to the lower digit value.

(There shall not be any markings by any of the Evaluators on the answer-scripts.)
